राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित हुई मानवाधिकार विषय पर राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता

मानवाधिकार दिवस पर दिनांक 10 दिसम्बर 2016 को राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। **''नैतिक पुलिसिंग मानवाधिकारों एवं प्रजातन्त्र के लिए खतरा है''** विषय पर आयोजित हुई इस वाद विवाद प्रतियोगिता में रेंज स्तर पर चुने हुए 32 प्रतिभागियों ने अपने अपने विचार रखे।

इस वाद विवाद प्रतियोगिता हेतु निर्णायक मण्डल में डॉ एम. के. देवराजन, पूर्व महानिदेशक भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो, राजस्थान एवं पूर्व सदस्य राज्य मानवाधिकार आयोग, श्री एन. मोरिस बाबू, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस होमगार्ड एवं जानीमानी टीवी प्रस्तोता एवं शिक्षाविद् डॉ अनिता हाडा सांगवान रही। कार्यक्रम की शुरुआत में अकादमी के निदेशक, श्री राजीव दासोत ने निर्णायक मण्डल का स्वागत करते हुए इस वाद विवाद प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री एम. के. देवराजन ने वर्तमान परिस्थितियों में मानवाधिकार संरक्षण की चुनौतियों की जानकारी दी।

संबंधित विषय पर सभी प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष विपक्ष में अपना मत रखते हुए नैतिक पुलिसिंग, मानवाधिकार एवं प्रजातन्त्रात्मक व्यवस्था के संबंध में अपने विचार रखे। अधिकतर प्रतिभागियों ने नैतिक पुलिसिंग को मानवाधिकारों एवं प्रजातन्त्र के लिए खतरा माना। सभी प्रतिभागियों के विचार सुनने के पश्चात् निर्णायक मण्डल ने गहन विचार एवं मन्त्रणा कर प्रतिभागियों की विषय वस्तु, भाषा एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर परिणाम घोषित किया।

श्री एन. मोरिस बाबू, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस होमगार्ड ने परिणाम घोषित करते हुए विषय के पक्ष में अपना मत रखने वाली डॉ. प्रियंका, आरपीएस प्रशिक्षु को प्रथम, सुश्री कमली यादव, महिला कानि 761, 11वीं बटालियन आरएसी को द्वितीय तथा श्रीमती सुनीता, महिला कानि. 306, हाडी रानी महिला बटालियन को तृतीय स्थान हेतु चयन कर पुरुस्कृत किया। इसी प्रकार विषय के विपक्ष में अपना मत रखने वाले श्री राकेश कुमार, कानि. 384, जिला चूरु को प्रथम, श्री महावीर चोटिया आरपीएस प्रशिक्षु को द्वितीय तथा श्री नारायण चूरा, कानि. 557, जिला बीकानेर को तृतीय स्थान पर चयन कर पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में श्री जगदीश पूनिया, पुलिस उप अधीक्षक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने निर्णायक मण्डल एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।